

Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 254/83-Customs, dated the 29th August, 1983, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Di-iso-butylene, Heptene and Nonene, when imported into India for the manufacture of Oxo-alcohols, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act.

Provided that the importer, by the execution of a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of Di-iso-butylene, Heptene and Nonene, as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 28th February, 1987.

[F. No. 355/232/83 Cus. I]

सं० 227/84-सीमा-शुल्क

सा० का० नि० 633(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 36 की उपधारा (4) के माध्यम से, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 131/84-सीमा-शुल्क,

तारीख 11 मई, 1984, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में—

- (क) क्रम सं० 195 और उससे संबंधित प्रविष्टि का लोप किया जाएगा; और
- (ख) क्रम सं० 222 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी :
“223 सं० 226/84-सीमा-शुल्क, तारीख 30 अगस्त, 1984”।

[फा० सं० 355/232/83-सीमा-शुल्क-1]

एम० एन० बिस्वास, अवर सचिव

No. 227/84-CUSTOMS

G.S.R. 633(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 36 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 131/84-Customs, dated the 11th May, 1984, Namely :—

In the Schedule to the said notification,—

- (a) Sl. No. 195 and the entry relating thereto shall be omitted; and
- (b) after Sl. No. 222 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“223 No. 226/84-Customs, dated the 30th August, 1984.”

[F. No. 355/232/83-Cus-I]

M. N. BISWAS, Under Secy.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

आधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 343]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 1984/भाद्र 9, 1906

No. 343]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 1984/BHADRA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली. 31 अगस्त, 1984

सांकांति० 634 (अ) — केन्द्रीय सरकार, आतंकवादी क्षेत्र (विशेष
न्यायालय) अध्यादेश, 1984 (1984 का 9) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए—

- (क) सम्पूर्ण चंडीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र में समाविष्ट क्षेत्र का आतंक-
वादी क्षेत्र घोषित करना है;
- (ख) तारीख 1 मार्च, 1984 से तारीख 1 मार्च, 1985 को उस
अवधि के रूप में निर्दिष्ट करती है जिसके दौरान उक्त क्षेत्र
इस अध्यादेश के प्रयोजनार्थ आतंकवादी क्षेत्र होगा; और
- (ग) उक्त क्षेत्र को निम्नलिखित न्यायिक ज़ोन में गठित करती है,
अर्थात्—

न्यायिक ज़ोन चंडीगढ़ — जिसमें चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र समा-
विष्ट है।

[सं० 5/2/84-लेग सेल]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1984.

G.S.R. 634 (E)—In exercise of the powers conferred by
section 3 of the Terrorist Affected Areas (Special Courts)
Ordinance, 1984 (9 of 1984), the Central Government hereby—

733 GI/84

(a) declares the area comprised in the whole of the Union
Territory of Chandigarh to be a terrorist affected area;

(b) specifies the period from the 1st day of March, 1984 to
the 1st day of March, 1985 as the period during which
the said area shall, for the purposes of the said Ordinance,
be a terrorist affected area; and

(c) constitutes the said area into the following judicial
zone, namely :—

Judicial Zone, —Comprising the Union Territory of
Chandigarh.

[No. 5/2/84-Lcg. Cell]

सांकांति० 635 (अ) — केन्द्रीय सरकार, आतंकवादी क्षेत्र (विशेष
न्यायालय) अध्यादेश, 1984 (1984 का 9) का धारा 4 की उप-धारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चंडीगढ़ न्यायिक ज़ोन
के संबंध में एक विशेष न्यायालय स्थापित करती है जैसा कि भारत
सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सांकांति० 634 (अ) तारीख
31 अगस्त, 1984 के अधीन गठित किया गया है और यह भी निदेश
देती है कि उक्त विशेष न्यायालय माघारणतया चंडीगढ़ में आसीन होगा।

[सं० 1/5/84-लेग सेल(i)]

G.S.R. 635 (E).—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 4 of the Terrorist Affected Areas
(Special Courts) Ordinance, 1984 (9 of 1984), the Central Go-
vernment hereby establishes a Special Court in relation to the

(I)

judicial zone of Chandigarh, as constituted under the notification of the Government of India, in the Ministry of Home Affairs No. GSR 634 (E) dated the 31st August, 1984, and further directs that the said Special Court shall ordinarily sit at Chandigarh.

[No. 1/5/84-Legal Cell (i)]

सा० का० नि० 636 (अ):—केंद्रीय सरकार, आतंकवादी क्षेत्र (विशेष न्यायालय) अध्यादेश, 1981 (1984 का 9) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति की सहमति से नान्तोल के सेशन

न्यायाधीश श्री आनन्द प्रकाश चौधरी को चंडीगढ़ न्यायिक क्षेत्र के संबंध में स्थापित विशेष न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करती है।

[सं. 1 / 5 / 84 -लेग सेल (ii)]

प्रेम कुमार, विशेष, सचिव

G.S.R. 636 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Terrorist Affected Areas (Special Courts) Ordinance, 1984 (9 of 1984), the Central Government, with the concurrence of the Chief Justice of the High Court of Punjab and Haryana, hereby appoints Shri Anand Prakash Chowdhry, Sessions Judge of Narnaul to be the judge of the Special Court established in relation to the judicial zone of Chandigarh.

[No. 1/5/84-Leg. Cell (ii)]

PREM KUMAR, Special Secy.